

EVS CHAPTERWISE HINDI MEDIUM

अध्याय - 1

पौधे

1. बीज के अंकुरण हेतु नमी, हवा और ताप आवश्यक हैं।
2. बीजांकुरण के लिए पानी, हवा व ताप चाहिए। 10-12 दिनों में अंकुरण होता है। मूलांकुर पहले निकलता है, प्रांकुर बाद में। जड़ से रेशे निकलते हैं जिन्हें मूल रोम कहते हैं। ये मिट्टी को जकड़े रहती हैं।
3. जड़ का रंग मटमैला होता है। सफेद, जड़ों के ऊपर बाल जैसी सरचनाएँ होती हैं जिसे मूलरोम कहते हैं।
4. बरगद से सहारा देने वाली जड़ें निकलती हैं।
5. रेगिस्तानी ओक 10 फुट लम्बा पौधा होता है जिसकी जड़ें 300 फुट गहरी व पत्तियाँ कम होती हैं।
6. आस्ट्रेलिया में रेगिस्तानी ओक पाया जाता है जिसकी जड़ें उसके तने की 30 गुना लम्बी होती हैं। इसके तने में पानी इकट्ठा रहता है।
7. मूली जड़ की रूपान्तरित जड़ है।
8. तेज आँधी में बड़े पेड़ नहीं गिरते क्योंकि उनकी जड़ें गहरी होती हैं।
9. बरगद से सहारा देने वाली जड़ें निकलती हैं।
10. पेड़ अपनी जड़ों से पानी अवशोषित करते हैं।
11. विविधता के आधार पर पौधों का वर्गीकरण किया जाता है जैसे तने का पतला/मोटा होना, पत्ती का रंग, आकार और पत्ती का किनारा गोल/लम्बा/ त्रिकोना होना।
12. नीबू, आम, नीम, तुलसी, पुदीना, हरे धनिया के पत्तों में सुगन्ध होती है।
13. विष्णु चिंचालकर (इंदौर, म० प्रदेश), सूखे पत्तों से चित्र बनाते थे।
14. मोमी रंग से पत्ती की छाप लेना एक रचनात्मक कलाकारी है।
15. पौधों को पानी देने से मुरझायी पत्तियाँ फिर हरी हो जाती हैं क्योंकि उनमें प्रकाश संश्लेषण से भोजन बनता है।
16. नये दिखने वाले पौधे : पीली कटेर, लैन्टाना (खरपतवार), मोथा व गाजर घास।
17. अदरक, आवला, हरी मिर्च, प्याज, कच्चे भी खाए जा सकते हैं।
18. फूलों की घाटी उत्तराखण्ड में है।
19. मधुबनी चित्रकला बिहार के मधुबनी जिले से फैली है। इसमें चावल के धोल में रंग, नील, हल्दी मिलाकर इंसान जानवर, पेड़, फूल, पक्षी, मछलियों व अन्यजीव जन्तु को साथ में रखकर चित्र बनाए जाते हैं।
20. फूल पौधे का जनन अंग है। इसके चार भाग होते हैं:-
(1) दल (2) बाह्यदल
(3) पुंकेसर (नर) (4) स्त्रीकेशर (मादा)
21. परागकण पाउडर जैसे होते हैं।
22. कचनार के फूल की सब्जी यू.पी. में तथा केले के फूलों की सब्जी केरल में खायी जाती है। महाराष्ट्र में सहजन के फूल के पकौड़े बनते हैं।
23. दवा में प्रयोग होने वाले फूल गुलाब, केशर, अजवाइन, सर्पगन्धा, बहेडा, अर्जुन, चिचडा हैं।
24. गुलाब जल का प्रयोग मिठाईयों, दवाई, लस्सी में होता है।
25. गुलदावरी, जीनिया, पिटूनिया, हाइड्रैन्जिया से रंग बनाए जाते हैं।
26. इत्र व कवेड़ा, चमेली व गुलाब से बनते हैं।
27. उ० प्र० का कन्नौज जिला इत्र हेतु मशहूर है।
28. इत्र फूलों का शुद्ध अर्क होता है। यह आसवन विधि से बनाया जाता है।
29. जल्दी खराब होने वाली सब्जियाँ : पालक, लौकी, फूलगोभी, तोरी आदि।
30. खरपतवार :- बिना बोए अपने आप उगने वाले पौधे होते हैं। ये सारा खाद पानी ले लेते हैं। जैसे:- बधुआ, घास, मोथा आदि।
31. रात में खिलने वाले फूल सफेद व सुगन्धित होते हैं।
32. नीम, कीकर व खेजड़ी वृक्ष में कीड़ा नहीं लगता। खेजड़ी में भी।
33. गुलाब जल + गिलसरीन + नीबू रस के इस्तेमाल से सर्दी में त्वचा नहीं फटती है।
34. पीपल का पौधा मकान की दीवार पर उग जाता है।
35. बरगद सबसे पुराने वृक्षों में से एक है।
36. केरल को मसालों का राज्य कहते हैं।
37. गरम मसाला कई मसालों का पिसा पाउडर होता है जैसे जीरा, इलायची, लोंग, दालचीनी, कालीमिर्च, तेजपत्ता, साँठ आदि।
38. बरगद का वृक्ष सैकड़ों वर्ष तक जीवित रह सकता है।

39. पौधे में वृद्धि हमेशा होती रहती है जबकि मानव के नाखून व बाल ही बढ़ते रहते हैं।
40. बेलवनिका गांव-कर्नाटक में हैं। यहाँ प्याज की खेती होती है।
41. प्याज जुलाई महीने में उगायी जाती है।
42. प्याज के बीज बोने के लगभग बीस दिन बाद छोटे-छोटे पौधे निकलते हैं।
43. समय से प्याज यदि जमीन से न निकाला जाये तो सड़ जायेगा।
44. खुरपी द्वारा फसल के खरपतवार को निकाला जाता है।
45. सब्जियों पर पानी छिड़कते हैं, जिससे वे न सूखें।
46. विलुप्त पौधे : बीस प्रजातियाँ, (Detail Red Data Book (Snow orchid) Pitcher Plant)
47. खेजडाली गांव में विश्‍नोई लोग रहते हैं। रेगिस्तानी इलाका होते हुए भी यह हराभरा है। जानवर बिना डर के इधर-इधर घूमते हैं।
48. सन् 1731 ई० में राजस्थान के जोधपुर में अमृता देवी विश्‍नोई ने खेजडाली गाँव में खेजडी वृक्षों को बचाने हेतु 363 महिलाओं के साथ स्वयं का बलिदान कर दिया था, फलतः भारत सरकार ने इनके सम्मान में अमृता देवी 'वन्य जीव संरक्षण राष्ट्रीय पुरस्कार' शुरू किया।
49. खेजडी पेड़ रेगिस्तानी इलाकों में पाए जाते हैं। इनकी छाल दवा के काम हेतु प्रयोग होती है। इसकी लकड़ी में कीड़ा भी नहीं लगता। इसकी फलियों की सब्जी बनाई जाती है।
50. "अगर पेड़ हैं तो हम हैं पेड़ और जानवर हमारे बिना रह सकते हैं, पर हम उनके बिना नहीं।" यह खेजडाली गांव के बुजुर्गों का कथन था।
51. सलमान खान पर काले हिरण के शिकार पर कानूनी कार्यवाही हुई है।
52. पर्यावरण में पक्षियों की संख्या जैव आवर्धन के कारण कम हो रही है। फलतः अण्डों का कवच पतला हो रहा है 'अंडे सेना' का कार्य समयपूर्व ही समाप्त हो जाता है। (Premature Hatching)
53. विलुप्त जीव - डायनासोर।
54. विलुप्त पक्षी - डोडो।
55. भोजन तीखा करने हेतु मिर्च व पीले रंग के लिए हल्दी तथा चोट के लिए तेल के साथ पीसकर हल्दी लगाई जाती है। मीठे व नमकीन में काली मिर्च, खुशबू हेतु जीरा, मुँह के स्वाद हेतु इलायची तथा दांत दर्द हेतु लौंग प्रयोग की जाती है।
56. अदरक, गुलाब, केला व मन्ना बिना बीज के उगने वाले पौधे हैं।
57. बीजों का प्रकीर्णन, हवा, जल व जीवों द्वारा होता है।
58. वेलक्रो का आविष्कार जार्ज मेस्ट्रल ने 1948 में किया। यह उन्होंने बीज के हुक व कुत्ते के बाल पर बीज बिपके देखकर किया।
59. सोयाबीन की फलियाँ पककर सूख जाती हैं और धिटककर बीज बिखर जाते हैं।
60. पुर्तगाली लोग मिर्ची, दक्षिण अमरीका से भारत लाए थे।
61. भिंडी, गोभी और मटर भारत में अफ्रीका से आई हैं।
62. चाय आसाम से तथा सोयाबीन चीन से आई है।
63. बैंगन, मूली, सेम, करेला, पालक, परवल, टिंडा, मेथी, आम, संतरा, बेर व केला भारतीय हैं।
64. गुजरात में लौकी की सूखी खोल को मिट्टी से लीपकर उसमें नीम की पत्तियों को डालकर बीजों को रखा जाता था।
65. गुजराती में उँधीयुँ का मतलब है 'उल्टा'।
66. रबी में गेहूँ व खरीफ में धान की फसल उगायी जाती है।
67. क्रोटोन नामक पौधे द्वारा यह पता किया जाता है कि पौधों की सिंचाई कब करनी है (पानी की कमी पर ये मुरझाने लगते हैं)।
68. दाने को वाली से अलग करने हेतु आजकल थ्रेशर का प्रयोग होता है।
69. गन्ने की फसल को ज्यादा पानी चाहिए।
70. पेड़-पौधों को ज्यादातर पानी बारिश से मिलता है।
71. नेफेन्थीज कीटाहारी पौधा है। यह आस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और भारत के मेघालय राज्य में पाया जाता है (यूट्री कुलेरिया, झोसेरा, वीनसफ्लाइ ट्रेप भी कीटाहारी पौधे हैं)।
72. जंगल काटने से सूखा, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक उष्मण जैसी कठिनाई उत्पन्न होती हैं।
73. राजमा का बीज भूरा व उपरी सतह मुलायम होती है।
74. बीज - उपयोग
मेथी व राई - मसाले
धनिया - सब्जी
इलायची - फल

75. पैदावार वाले राज्य.

1. चावल — पं० बंगाल
2. मक्का—आ० प्र०
3. बाजरा—राज०
4. जौ—उ० प्र०,
5. दालें — म० प्र०
6. रागी—कर्नाटक,
7. प्याज—कर्नाटक व महाराष्ट्र
8. कपास—महाराष्ट्र व गुजरात।

76. विभिन्न राज्यों का भोजन

1. पंजाब — सरसों का साग, दाल, रोटी, पराठा।
2. हरियाणा—रोटी, चूरमा, खीर, रायता।
3. गुजरात—रोटी, दाल
4. गोवा— मछली
5. बंगाल — मछली, चावल
6. दिल्ली — मिक्स भोजन
7. उ० प्र०— दाल, रोटी, सब्जी
8. केरल, तमिलनाडु व कर्नाटक—इडली, डोसा, चावल
9. केरल—टैपिओका
9. हांगकांग में साँपो का व्यंजन खाया जाता जिसे लिंग हूफेन कहते हैं।

अध्याय—2 रोग

1. बुखार का आना यह बताता है कि शरीर के अन्दर रोगाणु प्रवेश कर चुके हैं जैसे कि टायफाइड, मलेरिया, डेंगू, कालाजार।
2. मच्छरों से मलेरिया, डेंगू व चिकनगुनिया रोग होता है।
3. रोनाल्ड रॉस ने खोज की कि मलेरिया मच्छर के काटने से होता है। इसका पता उन्होंने सिंदरबाद के अस्पताल में लगाया। इन मच्छरों का रंग भूरा व पंख छींटेदार थे। इनके पेट में जीवाणु रहते हैं। 1902 में उन्हें इस पर नोबेल पुरस्कार मिला। 1905 में उनकी मृत्यु हुई।
4. मलेरिया, मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से प्लाज्मोडियम नाम प्रोटोजोआ से होता है।
5. मलेरिया में ठण्ड लगकर कपकपी के साथ बुखार आता है।
6. मलेरिया में Cold stage, Hot Stage व Shivering stage होती हैं।

7. मलेरिया में जाड़े (कंपकंपी) के साथ बुखार आता है।
8. मलेरिया परीक्षण में मानव के रक्त में मलेरिया परजीवी पाये जाते हैं।
9. मलेरिया की दवा कुनेन, सिनकोना पेड़ की छाल से बनायी जाती है।
10. वर्षा के बाद मलेरिया ज्यादा फैलता है। डेंगू अक्टूबर से दिसम्बर तक फैलता है।
11. मलेरिया के विषय में पुरानी अवधारणा थी कि गंदगी में जहरीली गैसों से यह बीमारी फैलती है।
12. मच्छर के लारवे का रंग भूरा होता है।
13. मच्छर पानी में अण्डे देते हैं।
14. तालाब में मच्छर के लार्वा को खाने हेतु गैम्बूसिया मछली पाली जाती है। तेल भी डालते हैं जिससे O_2 समाप्त हो जाती है।
15. डेंगू का मच्छर साफ पानी में अण्डे देता है।
16. एनीमिया से बच्चों की शारीरिक और दिमागी तंदुरुस्ती पर असर होता है और बच्चों की लम्बाई ठीक से नहीं बढ़ती, फुर्ती भी कम होती है तथा पढ़ाई में मन कम लगता है।
17. हीमोग्लोबिन अथवा लोहे की कमी से एनीमिया होता है।
18. गुड़, आंवला व हरी पत्तेदार सब्जियों में आयरन होता है।
19. हीमोग्लोबिन में लोहा तथा क्लोरोफिल में मैग्निशियम होता है।
20. रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी से एनीमिया होता है। महिलाओं में हीमोग्लोबिन की रक्त में सामान्य मात्रा 12 से 16 ग्राम प्रति डेसी लिटर होती है।
21. हीमोग्लोबिन बढ़ाने के मुख्य स्रोत हैं:
(1) दाल (2) चावल
(3) सब्जियाँ (4) रोटी
22. मक्खियों से पेट की बीमारी होती है।
23. मक्खी से हैजा, डायरिया और निद्रा रोग फैलता है।
24. जीवाणु जनित रोग :-
1. कुष्ठ रोग 2. हैजा
3. टी बी. 4. डायरिया
5. निमोनिया 6. खादय विषाक्तता
25. पोलियो विषाणु जनित रोग है।

अध्याय-3

जन्तु

1. प्रारम्भिक स्तर पर जीवों का वर्गीकरण कीड़े, पक्षी, रेंगनेवाले व स्तनधारी के रूप में किया गया। सामूहिक रूप से इन्हें जानवर कहते हैं।
2. गति करने के आधार पर जीव कई तरह के होते हैं जैसे रेंगने वाले, उड़ने वाले, चलने वाले, फुदकने वाले, तैरने वाले।
3. चलने (गति) में सहायक अंग :-पंख, पूछ व पैर होते हैं।
4. आवास के आधार पर जीव निम्न प्रकार के होते हैं:-
 1. स्थलीय
 2. जलीय
 3. वायवीय
 4. शाखीय
 5. उभयचरीय।
5. जानवरों का वर्गीकरण उनकी विविधता को देखकर किया जाता है।
6. पंचतन्त्र कहानी में:-
 1. कछुआ और खरगोश
 2. घड़ियाल और मगरमच्छ
 3. ब्राह्मणी व नेवला

जैसी कहानियों के आधार पर, पहेली बनायी जा सकती हैं जैसे धीमी चाल से चलता जाऊँ, दौड़ में फिर भी जीत में पाऊँ।
7. मोर राष्ट्रीय पक्षी है।
8. तोता मानव आवाज की नकल कर सकता है।
9. गिद्ध, मरे जानवरों को खाकर जगह साफ करता है (अपमार्जक)।
10. हाथी झुण्ड में रहते हैं। एक बड़ा हाथी एक दिन में 100 किलो से ज्यादा पत्तियाँ खा लेता है। केवल 2 से 4 घण्टे ही सोता है। बुजुर्ग हथिनी झुंड की नेता होती है। 10-12 हथिनियाँ व बच्चे एक झुण्ड में रहते हैं।
11. हाथी 14-15 साल की आयु तक ही इस झुण्ड में रहते हैं।
12. तीन महीने के हाथी के बच्चे का वजन 200 किलो होता है।
13. हाथी को केले बहुत पसन्द हैं।
14. हाथी को परीना नहीं आता है। वे पृथ्वी स्थल के सबसे बड़े स्तनधारी हैं।
15. कंगारू चूहा कभी पानी नहीं पीता है।
16. कान सुनने में मदद करते हैं। पक्षी, मेढक, छिपकली, मगरमच्छ के भी कान होते हैं लेकिन दिखाई नहीं पड़ते इनके छेद जैसे कान होते हैं।
17. अण्डे देने वाले जीव अण्डज कहलाते हैं जैसे मछली मेढक, सरीसृप और पक्षी, इन जीवों के कान दिखाई नहीं पड़ते व शरीर पर बाल नहीं होते।
18. बच्चे देने वाले जीव जरायुज कहलाते हैं जैसे स्तनधारी। इनके कान दिखायी पड़ते हैं तथा शरीर पर बाल होते हैं।
19. बहुत साल पहले धरती पर डायनासोर थे ताप बढ़ने से वे विलुप्त हो गये। दरियाई घोड़ा उनसे मिलता-जुलता जानवर है
20. हमारा राष्ट्रीय पशु टाइगर है। दिनों-दिन इनकी संख्या कम हो रही है। 1 अप्रैल 1973 से प्रोजेक्ट टाइगर योजना शुरू हुई थी।
21. जानवरों के समूह को झुंड कहते हैं। हाथी, शेर, कुत्ते, भैंस, हिरन झुंड में रहते हैं।
22. बगुला भैंस पर बैठकर उसके कीटों को खाता है भैंस का कीटों से छुटकारा होता है और बगुले को भोजन मिल जाता है।
23. बैल, भैंसा, घोड़ा, हाथी व ऊँट सवारी के काम आते हैं।
24. कौए, गिलहरी, बिल्ली, चूहे, सांप पक्षियों के दुश्मन हैं।
25. गाय के आगे के दांत छोटे पीछे के बड़े व चपटे होते हैं तथा चबाने हेतु प्रयोग में आते हैं।
26. बिल्ली के दाँत नुकीले-माँस फाड़ने हेतु प्रयोग में आते हैं।
27. सांप के दाँत नुकीले होते हैं परन्तु वह भोजन को चबाता नहीं अपितु निगलता है।
28. गिलहरी के दाँत हमेशा बढ़ते रहते हैं लेकिन घिसने तथा कुतरने से छोटे हो जाते हैं।
29. जानवरों की खाल का एक पैटर्न होता है।
30. कुत्ता मल-मूत्र की गंध से दूसरे कुत्ते की पहचान कर लेता है।
31. कुत्तों के सूँघने की शक्ति का इस्तेमाल जाँच में करते हैं।
32. सपेरा साँप को पिटारी में रखता है।
33. लोहे की नाल घोड़े के पैर में लगाई जाती है।
34. सर्कस में भालू सबसे ज्यादा करतब कर सकता है।
35. सर्कस में बन्दर नाचते हैं।

36. पत्तियाँ सर्दियों में झड़ती हैं।
37. भावनगर गुजरात में है। यहीं प्रसिद्ध शिक्षा शास्त्री गिजू भाई बंधेका रहते थे, उन्होंने नर्सरी व प्राथमिक छात्रों की शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
38. मैदान में इग्रेट पक्षी, पानी में बगुला व बत्तख तथा झाड़ियों में तीतर व बटेर जैसे पक्षी दिखते हैं।
39. पक्षी के पंख उड़ने, सर्दी-गर्मी से बचाने हेतु रूपान्तरित होते हैं।
40. पक्षियों की हड्डियाँ खोखली होती हैं। उनमें हवा भरी होती है।
41. पक्षियों की चोंच में दाँत नहीं होते।
42. पक्षियों में मूत्राशय नहीं होता। ये प्रवास पर जाते हैं। ये समतापी प्राणी होते हैं। इनके हृदय में चार कोष्ठ होते हैं।
43. पक्षी — भोजन
गिद्ध — मरे जीव
बाज — चूहा
तोता — मिर्च
कबूतर — दाना
बुलबुल — कीट
व कटफोडवा
44. जो चीज हमें दो मीटर की दूरी से दिखाई पड़ती है वही चीज चील पक्षी आठ मीटर की दूरी से देख लेते हैं।
45. पिंजरे में रखने पर पक्षी की आजादी खत्म होती है।
46. गौरैया, फाख्ता, शकर खोरा जोड़े में रहते हैं। ये अपना घोंसला स्वयं बनाते हैं।
47. इंडियन रॉबिन बर्ड को कलचिड़ी कहते हैं। यह पत्थरों के बीच मुलायम घोंसला बनाती है।
48. कौए के घोंसले में लोहे के तार व टहनियाँ होती हैं। कौए के घोंसले में कोयल अण्डे देती है।
49. दर्जिन चिड़िया पत्तों में छेदकर, सीकर घोंसला बना लेती है।
50. वीवर पक्षी (नर) घोंसला बनाता है तथा मादा उसी से उसे चुनती है।
51. पक्षी के अलावा ड्रेको (छिपकली) भी उड़ सकती है। बहुत से कीट भी उड़ते हैं। चमगादड़ (स्तनधारी) भी उड़ता है।
52. एमू, किवी, पेग्विन, रिया एवं शुतुरमुर्ग न उड़ने वाले पक्षी हैं।
53. मैना अपनी गर्दन को झटके से पीछे कर लेती है।
54. उल्लू अपनी गर्दन पीछे तक घुमा सकता है।
55. रेगिस्तान में मैना चिड़िया पायी जाती है।
56. कलचिड़ी (इंडियन रॉबिन) पत्थरों के बीच खाली जगह में अण्डे देती है।
57. फाख्ता कैक्टस के कांटों के बीच या मेहंदी की मेढ़ में तथा गौरैया आमतौर पर घर के आस-पास घोंसला बनाती है।
58. कबूतर पुराने मकान या खण्डहरों में तथा बंसत गौरी नामक पक्षी पेड़ के तने में गहरा छेद बनाकर अण्डे देते हैं।
59. दर्जिन चिड़िया नुकीली चोंच से पत्तों को सीकर घोंसला बनाती है। शकरखोरा पेड़ या झाड़ी की डाली पर लटकता घोंसला बनाते हैं। इसमें रुई, सूखे पत्ते व कपड़ों के चीथड़े होते हैं।
60. पक्षी केवल अण्डे देने के लिए ही घोंसले बनाते हैं।
61. नर वीवर पक्षी घोंसला बनाता है तथा मादा चुनकर उनमें अण्डे देती है।
62. अप्रैल महीने में पक्षी घोंसला बनाकर अण्डे देते हैं।
63. राष्ट्रीय पक्षी-मोर है।
64. चीटी जैसे कीट फेरोमोन्स नामक रसायन निकालते हैं जिससे दूसरा कीट उन्हें पहचान लेता है।
65. मच्छर हमारे शरीर की गंध व पैरों के तलवों की गंध व शरीर की गर्मी से हमें ढूँढ लेता है।
66. उल्लू की आंखें सामने की ओर होती हैं।
67. पक्षी एक ही समय में दो आँखों से दो अलग-अलग चीजों पर नजर डाल लेते हैं।
68. पक्षी देखने हेतु अपनी गर्दन को ज्यादा घुमाते हैं क्योंकि उनकी आंखों की पुतलियाँ घूम नहीं सकती।
69. दूरी की चीज को देखने हेतु पक्षी दोनों आंखों को एक चीज पर केन्द्रित करते हैं।
70. चील, बाज व गिद्ध हमसे चार गुना ज्यादा दूर तक देख पाते हैं।
71. रात में जागने वाले जानवर हर चीज को सफेद और काली ही देखते हैं।
72. साँप के बाहरी कान नहीं होते। वह जमीन पर हुए कम्पन को सुनता है।
73. डाल्फिन पराश्रव्य ध्वनि द्वारा संदेश देती है।
74. चमगादड़ व कुत्ता भी पराश्रव्य ध्वनि निकालता है।
75. गेंडा, कीट, हाथी, अवश्रव्य ध्वनि द्वारा संदेश देते हैं।

76. छिपकली, मेढक व सांप सर्दी से बचने हेतु शीत निद्रा में चले जाते हैं।
77. स्ताथ भालू जैसा जानवर है। यह 18 घंटे तक सोता है। यह 40 वर्षों तक जीता है।
78. गाय 4 घंटे, अजगर 18 घंटे, जिराफ 2 घंटे, बिल्ली 12 घंटे, हाथी 4 घंटे, तथा शेर 8 घंटे तक सोते हैं।
79. बाघ अंधेरे में हमसे छः गुना बेहतर देख सकता है।
80. बाघ को खाल, हाथी को दाँत, गेंडे को सींग, शेर, मगरमच्छ व सांप को उनकी खाल के लिए मार दिया जाता है।
81. कस्तूरी हिरन को उनकी सुगंध हेतु मारा जाता है।
82. साँपों को नचाने वाले को कालबेलिया कहते हैं।
83. नाग गुँफन, रंगोली, कढ़ाई और दीवारों को सजाने हेतु सौराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण भारत में प्रयोग किए जाते हैं।
84. बीन, तुम्बा और खंजड़ी सूखी लौंकी से बनाए जाते हैं।
85. साँप चूहों को खाकर किसान का हित करते हैं।
86. भारत में केवल चार तरह के जहरीले साँप होते हैं।
 1. नाग
 2. करैत
 3. दुबोईया
 4. अफाई
87. साँप के काटने की दवा सीरम साँप के जहर से बनती है।
88. कालबेलिया लोग सर्प के डंक के निशान से जान जाते थे कि किस सर्प ने काटा है।
89. टी. वी. मनोरंजन का प्रमुख साधन है।
90. साँप का जहर एक नली में बंद होता है।
91. कालबेलिया लोग बेटियों को शादी में साँपों को तोहफे के रूप में देते हैं।
92. कालबेलिया नृत्य में साँप जैसी मुद्राएँ होती हैं।
93. लोगों की साँपों के प्रति क्रूर होना, जैसी भावना को किस प्रकार समाप्त किया जा सकता है?
 1. समुदायों में बातचीत करके
 2. सपेरो व साँपों के आपसी सम्बन्ध व नियम बनाकर।
94. पशुपालन:-
 1. सर्पों का पालना
 2. तांगे हेतु घोड़ा पालना
 3. अण्डों हेतु मुर्गी पालना
 4. शहद हेतु मधुमक्खी पालना
5. मांस हेतु सुअर पालना
6. मछलियों हेतु मत्स्य पालन
95. तांगे हेतु घोड़ा, जुताई हेतु बैल तथा अण्डों हेतु मुर्गियाँ पाली जाती हैं।
96. रेशम कीट अपनी मादा को कई कि.मी. दूर से पहचान लेता है।
97. हम किसी गंध से परेशानी कब महसूस करते हैं? उत्तर — जब हमारा मन उसे गन्दा मानता है।
98. हम एक आँख से 150° तक व दोनों आँखों से 180° तक देख पाते हैं।
99. जानवरों के कान के आकार का सम्बन्ध सुनने की शक्ति से होता है।
100. दिसम्बर 2004 में अण्डमान में सुनामी आने पर जानवरों के अजीब व्यवहार व चेतावनी भरी आवाजों को समझकर आदिवासियों ने वह इलाका खाली कर दिया था।
101. छिपकली सर्दियों में 24 घंटे सोती है।
102. बाघ अपने शिकार का सही पता हवा द्वारा मूछों के कम्पन से भाप लेता है इससे अँधेरे में रास्ता ढूँढ़ने में उन्हें मदद मिलती है।
103. बाघ मूत्र की गंध से दूसरे बाघ को पहचान लेता है।
104. बाघ का गुराँना 3 कि. मी. दूर तक सुना जा सकता है।
105. बाघ के कान बाहर की आवाज को इकट्ठा करने हेतु अलग-अलग दिशाओं में बहुत ज्यादा घूम जाते हैं।

अध्याय-4

चमकते सितारे

1. अनीता कुशवाहा एक चमकता सितारा (Girl Star) है (लड़कियों की कहानियाँ)।
2. बोचाहा गांव बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में है।
3. बोचाहा गांव में लीची के पेड़ पाये जाते हैं।
4. मधुमक्खी ज्यादातर लीची के फूल पर मंडराती रहती हैं। ये अक्टूबर से दिसम्बर के बीच अण्डे देती हैं।
5. लीची के फूल फरवरी में खिलते हैं।
6. मधुमक्खी एक सामाजिक कीट है। इनमें एक रानी मक्खी होती है। छत्ते में कुछ नर (ड्रोन) होते हैं। कुछ मक्खियाँ काम करने वाली होती हैं। ये नाच कर संदेश प्रसारित करती हैं।

7. छत्ते में एक रानी मधुमक्खी, कुछ नर मधुमक्खी तथा बहुत सारी काम करने वाली मधुमक्खियाँ पाई जाती हैं।
8. जब एक मधुमक्खी को रस का पता चल जाता है तो वह एक तरह का नृत्य करती है जिससे दूसरी मक्खियों को पता चल जाता है।
9. मधुमक्खी पालने हेतु बाक्स का प्रयोग होता है जिसकी कीमत 2000 रुपये होती है जिसमें चीनी का भीठा घोल भी डालते हैं। दवा भी छत्ते को साफ करने हेतु काम आती है।
10. शहद के एक बक्से में लगभग 12 किलो शहद मिलता है।
11. शहद का रंग कैसा होता है?
12. मधुमक्खी के डंक में फार्मिक अम्ल होता है। इसके डंक के असर को कम करने हेतु चूना, साबुन, लोहा लगाते हैं।
13. चीटियाँ, दीमक व ततैये भी समूह में रहते हैं। इनके डंक में भी फार्मिक अम्ल होता है। चीटी भी एक कीट है।
14. चींटी सिपाही बिल का ध्यान रखते हैं।
15. चींटियों की तीन जोड़ी टांगें होती हैं।
16. सूर्यमणि एक चमकता सितारा है (Girl Star)। इस लड़की की जिन्दगी स्कूल जाकर बदल गयी। ये योजना झारखण्ड में लागू है।
17. झारखण्ड में 'जंगल बचाओ' आंदोलन का नेतृत्व सूर्यमणि ने किया जो एक पत्रकार भी थी।
18. बिशनपुर गाँव घने जंगल में है, जहाँ एक स्कूल था। सूर्यमणि इसी स्कूल में पढ़ी। बाद में उसने कॉलेज से बी. ए. किया तथा वजीफा भी प्राप्त किया।
19. राष्ट्रीय वन नीति-1952 में लागू हुई।
20. जंगल अधिकार कानून 2007 आदिवासियों को जंगल पर उनका हक दिलाता है। आदिवासी जो जंगल में कम से कम 25 वर्षों से रह रहे हैं, उस भूमि तथा उस भूमि के उत्पाद पर उसका अधिकार हो जाता है। उन्हें जंगल से नहीं हटाया जा सकता है। जंगलों को बचाने का उत्तरदायित्व उनकी ग्राम सभाओं का होता है।
21. झारखण्ड में कुडुक भाषा में कुडुक समाज द्वारा गीत गाये जाते हैं।
22. तोरांग में कुडुक समाज व अन्य आदिवासियों की खास किताबों को संभालकर रखा जाता है। बासुरी तथा तरह-तरह के ढोल भी प्रयोग होते हैं।
23. कुडुक भाषा में 'तोरांग' का मतलब 'जंगल' होता है।
24. झारखण्ड में मालाएँ व गुलदस्ते, गिरे हुए फूल-पत्तों से बनाए जाते हैं।
25. 'जंगल हमारा साँझा बैंक है।' यह आदिवासियों का नारा है।
26. जंगल काटने से सूखा तथा मृदा अपरदन होता है।
27. अरुणाचल प्रदेश में घने जंगल हैं।
28. मध्य प्रदेश के पूर्व में झारखण्ड के जंगल तथा दक्षिण में छत्तीसगढ़ के जंगल हैं।
29. मिजोरम में बांस के बर्तन (कप) होते हैं।
30. 'झूम खेती' करने का एक तरीका है जो पहाड़ों पर मिजोरम में होता है।
31. लाटरी द्वारा खेती की जमीन देने की प्रथा मिजोरम में है (झूम खेती)।
32. झूम खेती में एक फसल कटने के बाद जमीन को कुछ साल हेतु आराम करने देते हैं ताकि जमीन की उर्वरा शक्ति बढ़ सके।
33. मिजोरम में पकी फसल को घर तक पीठ पर लादकर लाना पड़ता है।
34. 'चेराओ' नाच मिजोरम में किया जाता है।
35. चेराओ नृत्य में जमीन पर बाँस की डंडी लेकर दो-दो लोगों की जोड़ी आमने-सामने बैठती है तथा ढोल की ताल पर डंडियों को जमीन पर पीटते हैं।
36. सुनीता विलियम्स छह महीने से ज्यादा अन्तरिक्ष में रहीं।
37. अन्तरिक्ष में सबसे अधिक समय तक रहने वाली महिला सुनीता विलियम्स हैं।
38. अन्तरिक्ष यान से सुनीता विलियम्स अन्तरिक्ष में गई जहाँ से पृथ्वी बहुत ही अदभुत व सुन्दर दिखती है।
39. कल्पना चावला का अधूरा सपना खुद भारत आकर बच्चों से मिलना था। इस सपने को सुनीता विलियम्स ने पूरा किया।
40. 20 जुलाई 1969 को नील आर्म स्ट्रांग चाँद पर उतरे तब सुनीता विलियम्स पाँच साल की थी। बचपन में उनकी खेलकूद में रुचि थी, खासकर तैराकी, लेकिन बन गई हेलीकाप्टर पायलट।
41. बच्चों ने सुनीता से सवाल पूछा कि आप क्या बनना चाहेगी तो सुनीता ने कहा 'शिक्षिका' ताकि बता सकूँ कि विज्ञान व गणित जिंदगी से कैसे जुड़े हैं।

42. तारे ज्यादातर रात में ही दिखते हैं। सूर्य का प्रकाश ज्यादा होने से दिन में दिखायी नहीं देते व रात में सूर्य दूसरी दिशा में पृथ्वी के घूर्णन के कारण दिखते हैं।
43. अन्तरिक्ष में बालों को कंघी की जरूरत नहीं होती क्योंकि बाल हमेशा खड़े रहते हैं।
44. चल न पाना, हर समय तैरते रहना अन्तरिक्ष में होता है।
45. अन्तरिक्षयान से 07.12.2006 को सुनीता विलियम्स पृथ्वी से 360 किमी दूर गई। नासा (NASA) द्वारा जारी सूचनाएँ :-
1. 11.12.2006:- पाँव जमीन पर न टिकने का चित्र
 2. 11.12.2006:- खाना उड़ने का चित्र
 3. 13.12.2006:- बाल खड़े होने का चित्र
 4. 16.12.2006:- यान के बाहर सुनीता का चित्र
46. अन्तरिक्ष से केवल समुद्र व जमीन ही दिखते हैं, अलग-अलग देश नहीं।
47. पूर्णमासी को पूरा चाँद दिखता है।
48. चाँद से जुड़े त्योहार रमजान और ईद हैं।
49. टूटता तारा व उपग्रह का इस्तेमाल टी.वी., टेलीफोन या मौसम की जानकारी के लिए करते हैं। टूटता तारा (उल्का पिंड) वह होता है जो पृथ्वी के वायुमण्डल में आते ही जल जाता है।
50. ध्रुव तारा उत्तर दिशा में स्थित दिखाई देता है।
51. तारे टिमटिमाते हैं। अगर कोई चमकती चीज गति से चलती दिखे तो वह उपग्रह होगी।
52. आइजक एसीमोव द्वारा लिखी गई पुस्तक 'हाउ वी फाउंड द अर्थ इज राउंड' (How we found the Earth is Round) में बताया गया है कि सदियों से इन्सानों ने पृथ्वी के बारे में क्या-क्या सोचा है।
53. ब्राजील और अर्जेंटीना ग्लोब के नीचे की ओर स्थित हैं।
54. नक्शे पर रंग :-
1. नीला रंग-पानी
 2. हरा रंग-वनस्पति
 3. भूरा रंग-पठार को प्रदर्शित करते हैं।
55. भारत और अर्जेंटीना ग्लोब में एक दूसरे के सापेक्ष उल्टे हैं।
56. अन्तरिक्ष में पानी एक जगह नहीं टिकता। वह बुलबुलों की तरह इधर-उधर उड़ता फिरता है। सुनीता बुलबुलों को पकड़कर कपड़ा गीलाकर हाथ-मुँह साफ करती है।
57. धरती में गुरुत्वाकर्षण से हम पृथ्वी पर टिके हैं।
58. पानी ढलान से गुरुत्वाकर्षण के कारण गिरता है।
59. मुस्लिम त्योहार चाँद से जुड़े होते हैं (ईद, रोजा, बकरीद)।
60. आसमान से चलती हुई चीज टूटता तारा (मीटियोराइड्स) घर्षण के कारण जल जाता है। इसे उल्का पिण्ड भी कहते हैं।
61. 20 जुलाई 1969 को नील आर्मस्ट्रांग चाँद पर उतरने वाले प्रथम व्यक्ति थे।
62. सूर्य के प्रकाश के कारण तारे दिन में नहीं दिखते हैं।
63. बछेन्द्रीपाल गढ़वाल के नाकुरी गाँव की रहने वाली हैं। 1984 में इन्हें माउंटस्वरेस्ट पर चढ़ने हेतु चुना गया। 23 मई 1984 को दिन में 1 बजकर सात मिनट पर 8848 मीटर ऊँची चोटी एवरेस्ट (नेपाली नाम-सागर माथा) पर कदम रखा। 43 मिनट तक वहाँ रही। वह विश्व की पाँचवी महिला बनी जो एवरेस्ट पर गई।
64. बछेन्द्री पाल एवरेस्ट पर चढ़ने वाली प्रथम भारतीय महिला हैं। इनके गुरु ब्रिगेडियर ज्ञान सिंह थे।
65. नेहरू इन्स्टीट्यूट आफ माउन्टेनियरिंग उत्तरकाशी में है।
66. विटामिन-सी व आयरन से हमें ठण्ड से बचाव व ज्यादा शक्ति मिलती है।
67. पिट आन-खूँटा, स्लैंग-एक तरह का हुक है जो पर्वतारोहण में काम आते हैं। (यात्रा-वृत्तान्त)
68. रैप्लिंग का अर्थ है पर्वतारोहण में उतरना (वापसी)।
69. बेडुपाको बारा मासा, काफल पाको चैता मेरी छैला यह एक पहाड़ी गीत है - बछेन्द्रीपाल ने गाया है।
70. खिलाड़ी खेल
- | | |
|---------------|-----------------------------|
| सायना नेहवाल | - बेडमिंटन, |
| सानिया मिर्जा | - टेनिस तथा |
| मैरीकाम | - मुक्केबाजी (किक बाक्सिंग) |
71. कर्णनम मल्लेश्वरी एक वेटलिफ्टर हैं। ये आंध्र प्रदेश की रहने वाली हैं। इनके पापा पुलिस में हवलदार हैं। इन्होंने 12 वर्ष की आयु में वेटलिफ्टिंग शुरू की थी। ये 130 किलो तक का वजन उठा लेती हैं। इन्होंने भारत के बाहर 29 मेडल जीते हैं। उनकी चार बहनें भी वेटलिफ्टर हैं।

72. ज्वाला, लीला और हीरा तीनों बहनें हैं। ये तीनों कबड्डी खेलती हैं।
73. लेफ्टीनेंट कमांडर वहीदा प्रिज्म भारतीय नौसेना में डॉक्टर हैं और नौसेना के समुद्री जहाज पर काम करने वाली गिनी-चुनी महिलाओं में से एक हैं। ये पहली महिला हैं, जिन्होंने एक पूरी परेड की कमान संभाली। ये जम्मू कश्मीर की राजौरी जिले की थन्नामंडी नाम के बहुत छोटे गाँव की हैं। स्कूल के समय कैंपों में भी जाती थी, पहाड़ों पर चढ़ती थी और 'गर्ल गाइड' भी थी। नौसेना के हर जहाज पर अस्पताल होता है तथा फर्स्ट-एड भी दी जाती है। जब परेड होती है, तो लीडर के पीछे चार टुकड़ियाँ चलती हैं। पूरी परेड में 36 निर्देश देने होते हैं। 'प्रिज्म' एक त्रिकोना काँच होता है जो सात रंग दिखाता है।
74. कफ-परेड मुम्बई में है।
75. अफसानी मंसूरी बास्केटबाल खिलाड़ी है। नागपाड़ा (मुम्बई) से खेलती है।
76. खेल से सौहार्द तथा आपसी मेल-जोल की भावना का विकास होता है।
77. वाई.एम.सी.ए. मैदान, बांद्रा में तथा एन.ए.एस. जिम, नासिक में है।
78. नूर खान बास्केट बाल के कोच हैं (मुम्बई)
79. बच्चूखान प्ले ग्राउन्ड-छोटा ग्राउन्ड मुम्बई (बान्द्रा) में मुस्तफा खान के नाम पर बच्चूखान प्ले ग्राउन्ड नाम पड़ा।
7. आंखों का रंग, कद, मोटी या पतली नाक अभिभावक से बच्चों को मिलती है।
8. परिवार में मिलने वाले गुण :-
1. जीभ को पीछे तालु की तरफ मोड़ना
 2. जीभ का रोल बनाना
 3. पैरों की ऊंगलियों का खोलना
 4. हाथ के अंगूठे को कलाई से लगाना
 5. हाथ के बीच V आकार बनाना
 6. बिना हाथ से छुए बाहरी को कान हिलाना
9. जोर से हँसना, खुश होने पर गाना, जैसी कुछ परिवारों की खास आदतें होती हैं।
10. मकान में कई घर होते हैं।
11. चूहे, मकड़ी, चीटी, मच्छर, छिपकली व कुछ पक्षी घरों में पाए जाते हैं।
12. जो लोग बोल व सुन नहीं सकते हैं ऐसे लोग अपनी बातें इशारों से समझाते हैं और वे स्वयं दूसरों के होठों को देखकर समझने की कोशिश करते हैं।
13. बहरे लोग छूकर रेडियो के चलने/बंद होने का अनुमान लगाते हैं।
14. छोटे बच्चे बोलना सीखने से पहले चेहरे व हाथों से बहुत कुछ कहते हैं।
15. चेहरे को देखकर हमें पता चल जाता है कि कौन दुखी है, कौन खुश है और कौन गुस्से में है।
16. नृत्य के द्वारा कई तरह के इशारे व हाव-भाव (मुद्राओं) को व्यक्त किया जा सकता है।
17. कानूनी रूप से शादी की उम्र : लड़के की 21 वर्ष तथा लड़की की 18 वर्ष है।

अध्याय-5

परिवार एवं मित्र

1. बालक का परिवार ही उसका पहला स्कूल होता है।
2. बालक की आवाज, आँखें बाल, चाल उनके माता पिता से मिलती हैं क्योंकि डी.एन.ए. (क्रोमोसोम) माता-पिता से लक्षण संतानों तक ले जाते हैं।
3. परिवार के अपने रिवाज होते हैं। ये बच्चों में सामूहिकता, अनुशासन, व सौहार्द के प्रति लगाव बढ़ाते हैं।
4. ईमानदारी का गुण बच्चा अपने परिवार से सीखता है।
5. हमारे अन्दर कुछ गुण माता-पिता से तथा कुछ पर्यावरण से प्राप्त होते हैं।
6. ग्रेगर जान मंडल का जन्म -1822 ई0 में आस्ट्रिया के किसान परिवार में हुआ था इन्होंने मटर के 28000 पौधों पर प्रयोग किया और फ़ैक्टर नामक गुणक को लक्षण को अगली पीढ़ी में ले जाने वाला बताया।

अध्याय-6

त्योहार

1. चावल फसल कटाई पर असम में बिहू त्योहार मनाया जाता है
2. बोरा असम में खाए जाने वाले चावल की किस्म है।
3. बिहू त्योहार के दौरान बॉस का भेला घर बनाते हैं।
4. माघ बिहू 14 व 15 जनवरी असमिया कैलेंडर के दसवें महीने माघ की प्रथमा व द्वितीया को मनाया जाता है। पहले दिन को उरुका कहते हैं। इस दिन अस्थायी छप्पर बनते हैं जिसे भेला घर कहते हैं। सामूहिक भोजन का आयोजन भी होता है
5. चेवा चावल, रात्रि को (बिहू) कड़ाही में केले के पत्ते से ढककर बनाया जाता है।
6. 'ताओ' एक असमिया शब्द है जो कड़ाही का नाम है।

7. कड़ाही घर का सबसे बड़ा वर्तन होता है।
8. बिहू पर औरतें पाट और मूंगा की मेखला चादर पहनती हैं।
9. असम में मध्याह्न भोजन में भात-शुक्तो (चावल + रसेवाली सब्जी) तथा कभी लूची, छोला-दाल मिलता है।
10. मध्याह्न भोजन साथ-साथ बैठकर खाने से बच्चों में आपसी मेलजोल व नये दोस्तों का निर्माण होता है।
11. त्योहारों व उत्सवों पर घर सजाए जाते हैं। जैसे दिवाली, पोंगल (14 जनवरी), बिहू, दशहरा आदि पर।
12. त्योहार मनाने का महत्व :-
पोंगल - तमिलनाडु में फसल की कटाई पर।
वैसाखी - पंजाब में फसल की कटाई पर।
लोहरी - पंजाब में फसल की कटाई पर।
बिहू - असम में फसल की कटाई पर।

राज्य	नृत्य
1. असम	बिहू (आदिवासी)
2. कर्नाटक	यक्षगान
3. केरल	कथकली
4. उ० प्र०	कथक, होली नृत्य
5. पंजाब	गिद्धा, भांगड़ा
6. गुजरात	गरबा, डांडिया, रास
7. राजस्थान	घूमर
8. आंध्रप्रदेश	कुचीपुडी
9. तमिलनाडु	भरतनाट्यम्, लिल्ली घोड़ी
10. उड़ीसा	ओडिसी
11. हरियाणा	घमाल, घूमर
12. महाराष्ट्र	लावनी, तमाशा
13. नागालैंड	बांस नृत्य
14. आंध्रप्रदेश	धिमासा (आदिवासी)
15. मिजोरम	चिरावो नृत्य

अध्याय-7

अन्धा बच्चा

1. अन्धे लोग ब्रेल लिपि द्वारा पढ़ते हैं।
2. ब्रेल लिपि छः बिन्दुओं पर आधारित होती है।
3. ब्रेल एक मोटे कागज पर एक नुकीले औजार से बिन्दु बनाकर लिखा जाता है।
4. अन्धे व्यक्ति छड़ी की मदद से चलते हैं, आँडियो टेप से ज्ञान लेते हैं और ब्रेल पद्धति से पढ़ते हैं।

5. लुई ब्रेल फ्रांस का था। नुकीले औजार से उसकी आँखे खराब हो गयी थी।
6. लुई ब्रेल ने ब्रेलसिस्टम 1821 में दिया परन्तु 1832 में इसे स्वीकार किया गया।
7. स्वयं को किसी और की परिस्थिति में रखने से हम उनकी समस्याओं को बेहतर समझ पाते हैं। जैसे अन्धों की।
8. ब्रेल भाषा में गणित व विज्ञान के लिए सामान्य भाषा में कोड होते हैं। (कोड 1837)
9. दिवाकर (अन्धा) गायक है।
10. रविन्द्र जैन (अन्धे) संगीतकार हैं उन्होंने प्रभाकर की डिग्री हलाहाबाद से ली है। वे गायक, गीतकार और संगीतकार हैं।
11. लाल आडवानी यूनेस्को में प्रशासक के पद पर हैं, हालांकि वे अन्धे हैं।
12. 'हेलेन ए केलर' अमेरिका के लेखक व प्रवक्ता थे। 18 मास की उम्र में आँखें खराब हुईं। उन्होंने एक पुस्तक- 'द स्टोरी ऑफ माई लाइफ' सन् 1903 ई० में लिखी।
13. अन्धों की छड़ी सफेद रंग की होती है।

अध्याय-8

हमारा भोजन

1. हमें भूख लगी है इसका पता मस्तिष्क के विशेष केन्द्र के द्वारा लगता है।
2. भूख लगने का पता मस्तिष्क के हाईपोथैलेमस से चलता है।
3. छोटे बच्चों का भोजन दूध है क्योंकि वे अन्य प्रकार के भोजन को न तो खा सकते हैं न ही पचा सकते हैं।
4. पकाने के तरीके:- भूनकर, उबालकर, तलकर सेंककर।
5. खाली पेट होने से बच्चों का मन पढ़ाई में नहीं लगता है। 28 नवम्बर 2001 को उच्चतम न्यायालय ने कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों को मध्याह्न भोजन अधिकार दिया है कि उन्हें पका गरम खाना मिलना चाहिए।
6. भूख लगने पर बालक रोता है, गुस्सा करता है, थका-थका महसूस करता है तथा सिर दर्द भी होता है।
7. जीभ द्वारा स्वाद का ज्ञान होता है। यह एक संवेदी अंग है।

8. जीभ के आगे का भाग भीठा, बीच में नमकीन, बगल में खट्टा व, पीछे कड़वे स्वाद के केन्द्र होते हैं।
 9. जीभ पर 4 तरह की 9000 स्वाद ग्रन्थियाँ होती हैं।
 10. जीभ के किस हिस्से में स्वाद का ज्यादा पता चलता है – अगले हिस्से से
 11. कच्चे आमले और खीरे का स्वाद कैसा होता है?
 12. विभिन्न स्वाद:-
 1. करेला – कड़वा
 2. गुड़ – मीठा
 3. इमली व नीबू – खट्टा
 13. तली मछली का स्वाद कुछ कड़वा, कुछ खट्टा व कुछ नमकीन सा होता है।
 14. पाचन क्रिया मुख में शुरू होती है
 15. चबाकर खाने से लार से टायलिन निकलकर स्टार्च का माल्टोज सुगर में बदल देता है जिससे भोजन मीठा लगने लगता है।
 16. धीरे-धीरे खाने से पाचक रस पूर्ण रूप से भोजन पर कार्य करते हैं और पाचन ठीक होता है।
 17. मानव के दो बार दाँत निकलते हैं:-
 - 1) दूध के दाँत 2) स्थाई दाँत।
 18. दूध दाँतों की संख्या 20, तथा स्थायी दाँतों की संख्या 32 होती है।
 19. मानव में 20 दाँत दो बार निकलते हैं।
 20. दंत एनैमल मानव शरीर का कठोरतम भाग है जो कैल्सियम फास्फेट का बना होता है।
 21. मानव में दाँत चार तरह के होते हैं:- (1) क्रतक (2) रदनक (3) अग्र चवर्णक (4) चवर्णक
- दंत सूत्र = $\frac{2123}{2123}$
22. नाक द्वारा गंध का एहसास होता है। (संवेदी अंग)
 23. जुकाम होने पर खाना इसलिए बेस्वाद हो जाता है क्योंकि नाक से गंध का एहसास नहीं होने से स्वाद ग्रन्थियाँ निष्क्रिय बनी रहती हैं।
 24. सौंफ को बिना चबाए उसे गंध के द्वारा पहचाना जा सकता है।
 25. कहानी-‘खिड़की वाले पेट की’ राजेश उत्साही द्वारा लिखित कविता से लेकर बनाई गई है। यह कविता अगस्त 1985 की चकमक पत्रिका में दी गई थी। ‘पेट में झाँका जाना’ कहानी

- अनीता रामपाल द्वारा रचित है। इसे भी अगस्त 1985 की चकमक पत्रिका से लिया गया है।
26. मार्टिन नामक सैनिक के पेट में गोली लगाने से छेद होने पर डाक्टर बोमोट के पास ले जाया गया और डाक्टर ने बताया कि पेट में भोजन बहतर की अपेक्षा जल्दी पचता है क्योंकि पाचक रस पेट के हिलने से जल्दी सक्रिय होता है।
27. पेट में पाचक रस एसिड (एच सी एल) होता है। खाना न खाने आ अपच होने पर एसिडिटी हो जाती है।
28. हमारे पेट के अन्दर का तापमान 30°C रहता है।
29. पेट में 5.30 घंटे में पाचक रस द्वारा मछली का पूरा पाचन हो जाता है।
30. खाने की चीज – पचने में लगा समय
 - (i) 1 कच्चा अण्डा – 1.30 घंटे
 - (ii) कच्चा अण्डा फेटा हुआ – 2.0 घंटे
 - (iii) उबला दूध – 2.0 घंटे
 - (iv) कच्चा दूध – 2.15 घंटे
 - (v) कम उबला अण्डा – 3.0 घंटे
 - (vi) पूरी तरह उबला अण्डा – 3.30 घंटे
31. ग्लूकोज का स्वाद मीठा होता है
32. “ग्लूकोज शरीर को कैसे ताकत देता है”, यह बात बच्चों के लिए अमूर्त है।
33. ग्लूकोज को तुरंत ऊर्जा का स्रोत भी कहते हैं।
34. ग्लूकोज एक तरह की शक्कर है।
35. नमक चीनी घोल पिलाने से शरीर में लवण व पानी की कमी पूरी हो जाती है।
36. डायरिया, उल्टी-दस्त में शरीर में पानी की कमी हो जाती है और चक्कर आता है।
37. ज्यादा दस्त से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। फलतः नमक+शक्कर+पानी का घोल (ओ. आर.एस) पीते रहना चाहिए।
38. डायरिया होने पर छोटे बच्चे को माँ का दूध पिलाते रहना चाहिए।
39. गंदा पानी पीने से दस्त, हैजा, उल्टियाँ व पीलिया होता है।
40. मरास्मस रोग 5 साल तक के बच्चे को होता है। इसमें बच्चे के हाथ पैर पतले व पेट फूला हुआ होता है। फलतः बच्चा 3 साल का दिखता है। अक्सर बच्चा बीमार भी रहता है, बहुत बार स्कूल भी नहीं जाता तथा खेलने की ताकत भी नहीं रहती। इसका इलाज है सही खाना।

41. क्वाशियोरकर रोग में पैरों से दर्द रहता है, फुर्ती नहीं। ज्यादा टी0 वी0 देखने से बालक का शरीर मोटा, थुलथुला व आलसी हो जाता है। यह 7 वर्ष तक बच्चे को हो जाता है, फलतः बच्चा उम्र से बड़ा दिखता है। इसका इलाज सही खाना खाना है।
42. उड़ीसा के कालाहांडी में चावल सबसे अधिक पैदा किया जाता है लेकिन सबसे अधिक भुखमरी कालाहांडी में ही होती है।
43. खाना खराब होने में जीवाणु प्रमुख भूमिका निभाते हैं।
44. अध्यापक एक ब्रेड को छः दिन तक खुला रखता है, बच्चे देखते हैं, फिर अनुभव द्वारा खाना खराब होने के कारण जान जाते हैं। कारण है :- 1. जाप 2. जीवाणु 3. फफूँदी 4. नमी
45. अमन की बीजी बजार से ब्रेड लेकर आई। घर आकर पैकेट को देखकर उसका वापस लोटा दिया क्योंकि उसकी समाप्ति तिथि (Expiry Date) खत्म हो चुकी थी। इससे अन्दर फफूँदी लग जाती है।
46. समान के पैकेट पर मूल्य, वजन, तारीख और निर्माता आदि का विवरण छपा होता है।
47. खराब होने से बचने हितु खाद्य सामग्री को निम्न प्रकार से घरेलू उपाय करेंगे :-
1. दूध को उबालते हैं।
 2. पके हुए चावल एक कटोरे में डालकर पानी के बर्तन में रखते हैं।
 3. हरा धनिया गीले कपड़े में लपेटकर रखते हैं।
 4. प्याज, लहसुन नमी से बचाकर खुले में रखते हैं।
48. नमक अचार को व चीनी आम पापड़ को सुरक्षित करने हेतु प्रयोग किया जाता है।
49. नमक अचार से पानी निकाल देता है फलतः फफूँदी नहीं लगती है। धूप में रखकर भी नमी को निकाला जाता है।
50. कचक द्वारा भोजन को विघटित कर देने से खाना खराब हो जाता है।
51. एक अध्यापक बच्चों को ब्रेड खराब होने का ज्ञान कराना चाहता है, इस सन्दर्भ में कैसा मौसम व ब्रेड उपयुक्त होगी?
- उत्तर:- कमरे में हवा हो व ब्रेड सूखी न हो।
52. नमी व अधिक ताप पर खाना जल्दी खराब होता है।
53. अचार को संरक्षित करने हेतु सोडियम मेटा सल्फाइट और पोटेशियम बेन्जोएट (Sodium Meta Sulphite or Potassium Benzoate) डाला जाता है।
54. गोवा तथा कश्मीर में मछली को सरसों के तेल में तथा नारियल के तेल में तला जाता है।
55. पौधों का खाया जाने वाला भाग
1. पत्ती- अरबी, धनिया, पत्ता गोभी, पालक, कड़ी-पत्ता
 2. फूल-सहजन, केला, कचनार
 3. कली-लौंग
 4. जड़-मूली, गाजर, चुकन्दर
 5. तना - अदरक, आलू, प्याज, कमलककड़ी
 6. बीज - सरसों, गेहूँ, धान, बाजरा, चना
 7. भ्रूणपोष-काजू, नारियल
 8. छाल-दालचीनी
 9. फली-मटर, सैंजन

अध्याय-9

जल

1. 21वाँ एजेंडा : 1992 में ब्राजील में यू.एन. क्रांफ्रेस में विश्व जल दिवस मनाने का निर्णय हुआ। 1993 में पहली बार 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया गया।
2. वर्ष 2012 ई0 में यू.एन. ने 'जल और खाद्य सुरक्षा' नामक थीम घोषित की थी।
3. 1 किलोग्राम गेहूँ उत्पादन हेतु 1500 लीटर पानी चाहिए।
4. भारत में 23.81 फीसदी भूमि पर वन हैं जो 7.83 करोड़ हैक्टयर भूमि पर हैं।
5. रूस, ब्राजील, कनाडा, यू.एस.ए. व चीन विश्व में सर्वाधिक वनाच्छादित देश हैं। भारत का स्थान विश्व में दसवाँ तथा एशिया में चौथा है।
6. जल के प्रकार :- मृदुजल तथा कठोर जल।
7. जल के स्रोत :- कुआँ, नहर, नदी, तालाब, समुद्र, चश्मा, झील, बारिश।
8. 100% जल : 97.5% समुद्रीय जल तथा 2.5% तालाब, झील, नदियों में पाया जाता है। इस 2.5% जल का 60% ग्लेशियर, 30% भूमि के नीचे तथा 10% झील व नदियों में पाया जाता है। ताजे जल का 1% पानी प्रयोग के काबिल है।
9. जल के उपयोग : नहाने, पीने तथा शारीरिक क्रिया के लिए।

10. गर्म पानी के स्रोत :- मणिकरण (कुल्लु) में, इन्हें प्राकृतिक गीजर (Natural Geyser) कहते हैं।
11. शहर व नदियों के नाम:-
दिल्ली-यमुना, आगरा-यमुना, लखनऊ-गोमती, पटना-गंगा, उज्जैन-क्षिप्रा।
12. गर्मी में आम का पन्ना पिया जाता है।
13. बादल संघनन के बाद बरसते हैं।
14. बारिश आने पर इन्द्र धनुष दिखाई देता है जो सूर्य की विपरीत दिशा में दिखता है। इन्द्रधनुष में सात रंग होते हैं। फलतः अपवर्तन, परावर्तन व प्रकाश के विक्षेपण का निरूपण होता है।
15. अधिक बारिश से बाढ़, भूस्खलन व मृदा अपरदन होता है। बारिश से भूजल स्तर ऊपर आ जाता है। जीवों व पौधों में चेतना का संचार होता है।
16. वर्षा जल संग्रहण - टोंका (ऑगन में पक्का गढ़वा) बनाकर किया जाता है।
17. उत्तर की पहाड़ियों पर बर्फ जमी रहती है क्योंकि वहाँ का तापमान वर्ष भर निम्न बना रहता है।
18. जल प्रदूषण के कारण:- कारखानों का अपशिष्ट, मलमूत्र व डी.डी.टी. हैं।
19. यूट्रोफिकेशन : जल में O_2 की कमी, फलतः जलीय जीव मरने लगते हैं।
20. समुद्र का पानी खारा होता है इसलिए पिया नहीं जा सकता है।
21. नदी में ताजे जल की मछलियाँ पायी जाती हैं। ये हैं :- रोहू, कटला, मांगुर, टिरीका।
22. नदी के पास बगुला आता है।
23. गंदे पानी में कॉलीफॉर्म बैक्टीरिया पाया जाता है।
24. जिस जगह पर पानी का प्रयोग होता है वह गंदी हो जाती है।
25. भीमासंघ, कर्नाटक के होलगुण्डी गाँव की पंचायत का नाम है जिसमें बच्चों को भी शामिल किया गया है।
26. जल में O_2 की कमी से मछलियाँ मर जाती हैं।
27. पानी यदि मेटमैला है तो वह गंदा होगा।
28. पानी साफ करने का सबसे अच्छा तरीका-पानी को उबालना है।
29. पीने से पहले पानी को साफ करना जरूरी है क्योंकि पानी में हानिकारक घुलनशील चीजें रहती हैं।
30. नल्लामडा आंध्र प्रदेश में है।
31. अडालज की बावडी अहमदाबाद से 18 किमी दूर है।
32. घडसीसर नामक तालाब को 650 वर्ष पूर्व जैसलमेर के राजा घडसी ने बनवाया था। सर माने तालाब होता है। नौ तालाब आपस में मिले थे।
33. अलबिरुनी नामक यात्री उजबेकिस्तान से भारत आया था।
34. अलबिरुनी ने लिखा है तालाब के चबूतरे बड़े-बड़े पत्थरों को लोहे के कुण्डों और सरियों को जोड़कर बनाए जाते थे। इन तालाबों में भीड़ को परेशानी नहीं होती थी क्योंकि उतरने व चढ़ने के रास्ते अलग-अलग होते थे।
35. 1973 में अलबिरुनी के 1000वें जन्म दिवस पर भारत सरकार ने डाक टिकट जारी किया था।
36. अध्यापक बच्चों को इतिहास का ज्ञान कराने हेतु इतिहास के स्रोत जैसे अलबिरुनी की किताब, इमारतें, दस्तावेज, सिक्के, चित्र आदि के बारे में बताएगा।
37. पुराने समय में मुशाफिरों हेतु पानी प्याऊ, मशक, कुआँ व बावडियों से मिलता था।
38. उत्तराखण्ड में शादी के बाद नई दुल्हन झरने या तालाब पर जाकर सिर झुकाती है जो एक रिवाज है। 'पानी से जुड़ी है जिन्दगी'।
39. तरुण भारत संघ नामक संस्था ने दडकी माई के प्रयास से तालाब बनवाकर गाँव में पानी की समस्या खत्म की।
40. नीबू सादे पानी में डूबता है नमकीन पानी में तैरेगा (घनत्व)
41. यदि वस्तु का घनत्व जल के घनत्व से कम हो तो वह तैरेगी।
42. यदि वस्तु अपने आयतन से ज्यादा पानी विस्थापित करेगी तो तैरेगी।
43. आईशा ने पानी में अण्डे उबलने हेतु रख दिए, उसमें थोड़ा नमक डाल दिया, नमक कुछ ज्यादा गिर गया अब अण्डे तैरने लगे क्योंकि जल का घनत्व बढ़ गया।
44. मृत सागर सबसे नमकीन है (1000 मि० ली० पानी में 300 ग्राम नमक)। मृत सागर में हम लेट कर तैर सकते हैं।
45. विलयन (विलेय+विलायक)
विलयन 1. परासरीय 2. अति परासरीय
3. सम परासरीय।
46. तेल पानी में अघुलनशील है क्योंकि उसका घनत्व पानी से कम है।

47. पानी गरम करते समय वाष्पित होता रहता है। यह हर ताप पर होता है।
48. नदी पर बाँध बनाने से हानियाँ:-
 1. गाँव वालों का विस्थापन
 2. आर्थिक समस्या
 3. पर्यावरणीय समस्या
 4. वन्य जीव का विनाश।
49. नदी पर बाँध बनाने के लाभ:-
 1. बिजली उत्पादन
 2. बाढ़ पर नियन्त्रण
 3. नहर निकालना।
50. राजस्थान के जैसलमेर में वर्ष में 10-12 दिन ही वर्षा होती है।
51. सीढ़ीदार कुआँ 'बावड़ी' के नाम से जाना जाता है।
52. पुराने जमाने में कई जगह बावड़ियाँ बनवाई गई क्योंकि लोगों का मानना था कि प्यासे यात्रियों को पानी पिलाना बहुत अच्छा काम है।
53. पानी के पुराने स्रोत बावड़ी, तालाब, नौला, धारा होते हैं।
54. 1986 में जोधपुर के आस-पास सूखा पड़ा तब बावड़ियों को लोगों ने साफ किया व 200 ट्रक कूड़ा निकाला।
55. कुएँ सूखने की वजह क्या हैं?
 - (a) मोटर लगाकर पानी निकालना
 - (b) तालाब का न होना जिनमें पानी इकट्ठा होता था
 - (c) जमीन को सीमेंट से पक्का करना
 - (d) उपर्युक्त सभी
56. दिल्ली में जल की सप्लाई दिल्ली जल बोर्ड की है।
57. "जल ही जीवन है बूँद-बूँद कीमती है इसे बचाइए। यह नारा दिल्ली जल बोर्ड का (जैसे भी हो सके बचाएँ पानी)"
58. दड़की माई राजस्थान के अलवर जिले के गाँव में रहती है।
59. पानी के बिल में पानी के खर्च के अलावा मरम्मत व टूट-फूट का खर्च भी शामिल होता है।
60. पूरी तेल में शुरू में डूबती है बाद में क्यों तैरती है?
61. आईशा के हाथ से साबुनदानी छूटी और पानी में तैरने लगी, साबुन की टिकिया रखने पर भी साबुन दानी तैरती रही क्यों?
62. लोहे की कील पानी में डूबेगी जबकि कटोरी तैरेगी, क्यों?
63. प्लास्टिक की खाली बोतल पानी में तैरेगी जबकि पानी से भरी यही बोतल डूबेगी। क्यों?
64. दवाई की पन्नी जब फैली थी तो तैर रही थी, गोली जैसा बनाने पर क्यों डूबेगी?
65. पानी में शक्कर को जल्दी घोलने हेतु क्या करेंगे? उबालेंगे।
66. पानी में काई (शैवाल) की वृद्धि होती है।
67. खेडी गाँव महाराष्ट्र में जंगलों व पहाड़ियों के बीच स्थित है। यहाँ खेती प्रमुख पेशा है।
68. सिंदूरी गाँव में खेडी के निवासियों को बसाया गया।
69. नदी पर बाँध बनाने से हानियाँ:-
 1. गाँव का डूब जाना
 2. घर बार छोड़कर चले जाना।
 3. आर्थिक समस्याएँ
 4. पर्यावरणीय समस्याएँ
70. पहाड़ों पर चश्मा पानी का प्रमुख स्रोत है।

अध्याय-10

खेल

1. जिग्सों का खेल : इस खेल में किसी चित्र के टुकड़े होते हैं जिनको मिलाकर एक बड़ा चित्र बनाना पड़ता है। इसमें बहुत दिमाग लगाना पड़ता है।
2. छुपन-छुपाई और अन्ताक्षरी छोटे बच्चों के खेल हैं।
3. खिलाड़ी की योग्यता की पहचान उसके खेल से होती है न कि उसकी जाति या अर्थिक स्थिति से।
4. किसी भी खिलाड़ी की पहचान उसकी लगन से है न कि इससे कि वह किस स्तर के लिए खेलता है।
5. छुपन-छुपाई, अन्ताक्षरी व पौधों की परी बच्चों के खेल हैं।
6. आँख मिचौनी बच्चों का खेल है।
7. चेडुगुडु, हू-तू-तू डा-डू-डू छू-किट-किट बच्चों के खेल हैं।
8. किट-किट, कबड्डी-कबड्डी, चेडुगुडु, हूतून्तू हा-डू-डू छू शब्द कबड्डी के हैं।
9. कबड्डी की टीम में ग्यारह खिलाड़ी होते हैं?
10. कबड्डी में आँख, हाथ व पैर का जबरदस्त तालमेल रखना पड़ता है।

11. कबड्डी व खोखो में खिलाड़ियों को छूना जरूरी होता है।
12. कबड्डी के खेल में लड़कों वाले ही कपड़े पहनने पड़ते हैं इसीलिए लड़कियाँ इसे खेलने से मना कर देती हैं।
13. खो-खो टीम में 7 खिलाड़ी होते हैं।
14. स्टापू बच्चों का एक खेल है जिसमें ठिप्पी का प्रयोग होता है।
15. पिट्टू, अष्टा-चंगा-पे व सांप-सीढ़ी स्थानीय खेल हैं।
16. कबड्डी, शतरंज, गिट्टे, गिल्ली-डण्डा भी खेल हैं।

अध्याय-11

परिवहन के साधन

1. असम में बाँस से बने पुल वर्षा ऋतु में प्रयोग किये जाते हैं।
2. उत्तर की पहाड़ियों पर बर्फ जमी रहती है जबकि उत्तराखण्ड में ऊबड़-खाबड़ पथरीले रास्ते हैं।
3. गाँव में - बैलगाड़ी, नाव, साइकिल
4. शहर में - बस, मोटरकार, मेट्रो, रेल, रिक्शा।
5. विदेश जाने हेतु - हवाई जहाज
6. पहाड़ी इलाकों में - घोड़ा, खच्चर
7. हस्पताल - एम्बुलेंस
8. दूर जाने हेतु - रेल, बस
9. पचास साल पहले बैलगाड़ी, तांगा, बस व रेल यातायात के साधन थे।
10. यातायात के हार्न से ध्वनि प्रदूषण होता है।
11. प्रथम बार 16 अप्रैल 1853 को बम्बई से थाणे के बीच रेलगाड़ी चली थी।
12. लद्दाख में बच्चे नदी पार करने हेतु डाली का सहारा लेते हैं।
13. घिरनी एक उत्तोलक है। कुएँ से पानी खींचने में इसका प्रयोग होता है।
14. केरल के कुछ भागों में बच्चे पानी को पार करने हेतु यल्लम (लकड़ी की बनी छोटी नाव) में बैठकर स्कूल जाते हैं।
15. रेगिस्तान में ऊँट गाड़ी में बैठकर बच्चे स्कूल जाते हैं।
16. गाँव में मैदानी भागों में बैलगाड़ी द्वारा बच्चे स्कूल जाते हैं।
17. बर्फ पर चलने हेतु कई बच्चे आपस में हाथ पकड़कर बर्फ पर पैर जमाते हुए चलते हैं।

18. जुगाड़ एक वाहन होता है जो कि फट-फट की आवाज करता है। इसका आगे का हिस्सा मोटर साइकिल जैसा होता है तथा पीछे के भाग में लकड़ी का फट्टे प्रयोग किए जाते हैं। (गुजरात)

अध्याय-12

तेल एवं प्राकृतिक

परिघटनाएँ

1. मिट्टी का तेल, कोयला, गैस, लकड़ी व उपले ईंधन हैं।
2. सोलर कुकर धूप से व हीटर बिजली से, खाना बनाने के काम आते हैं।
3. वाहनों से शोर व धुआँ होता है।
4. गोवा से केरल तक रेल के रास्ते में 92 सुरंगें व 2000 पुल पड़ते हैं।
5. सर्वाधिक शोर व धुआँ कहाँ पर होता है? हाइवे (राजमार्ग) पर।
6. धुएँ से श्वसन रोग दमा, (टी.बी.) तथा तेज हार्न से बहरापन व पक्षाघात होता है।
7. आम बोलचाल की भाषा में तेल शब्द का प्रयोग, पेट्रोल, डीजल व खनिज तेल के लिए होता है।
8. तेल लाखों वर्षों में बनता है।
9. सूर्य की ऊर्जा असीमित है।
10. जमीन से निकला गया तेल गहरे रंग का तथा गाढ़ा व बदबूदार होता है।
11. हमें केरोसीन, डीजल, पेट्रोल, इंजन आयल, हवाई जहाज के ईंधन तेल रिफाइनरी से प्राप्त होता है। एल.पी.जी. मोम, कोलतार, ग्रीस भी इसी से प्राप्त होता है।
12. प्लास्टिक व पेंट बनाने में खनिज तेल का प्रयोग होता है।
13. वाहनों की बढ़ती संख्या से सड़क पर ट्रैफिक व प्रदूषण बढ़ेगा।
14. "मैं छिपा हूँ कहाँ-कहाँ" ये नारा तेल के उपयोग के सन्दर्भ में है।
15. घर के कार्यों हेतु केरोसीन, एल.पी.जी., कोयला व बिजली उपयोगी हैं।
16. बीस सालों में ईंधन पर बदलाव की रिपोर्ट :-
सन् 1976 सन् 1996

उपले व लकड़ी	→ 84 घरों में	75 घरों में
एल.पी.जी. व मिट्टी का तेल	→ 10 घरों में	18 घरों में
कोयला	→ 5 घरों में	2 घरों में
बिजली	→ 1 घर में	5 घरों में

17. डामर कोयले को कहते हैं - सड़क निर्माण में प्रयुक्त होता है।

अध्याय-13
विभिन्न राज्यों की
भाषाएँ

1. भाषा - राज्य
मलयालम - केरल
कोंकणी - गोवा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, केरल
मराठी - महाराष्ट्र
गुजराती - गुजरात, दादरा नगर हवेली व दमन दीव
कन्नड - कर्नाटक
तेलगू - आंध्र प्रदेश
उर्दू, डोगरी - कश्मीर
तमिल - तमिलनाडु व पांडिचेरी
असमिया - बोडो और आसाम
बंगाली - पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा व अण्डमान निकोबार
मैथिली - बिहार
सन्थाली - बिहार, छत्तीसगढ़, झारखण्ड व उड़ीसा
2. अम्मुमा मलयालम में माँ की माँ (नानी) को कहते हैं।
3. मलयालम भाषा में बलिअम्मा माँ की बड़ी बहन को कहते हैं। केरल में मलयालम भाषा
4. मलयालम में पिता को अप्पा कहते हैं।
5. बड़ी सी नाव को मलयालम में फ़ैरी कहते हैं।
6. मलयालम में कुदाल को खूँटी तथा हल को कूरिगे कहते हैं।
7. हंसिया (दराती) को मलयालम में इलिंगे कहते हैं।
8. बन्ने का अर्थ दूल्हा होता है।
9. आम पापड़ को तेलगू में मामिडी तान्झा कहते हैं।
10. मिजोरम में मिजो भाषा बोली जाती है।
11. अत्रेयपुरम गाँव आंध्र प्रदेश में आम हेतु मशहूर है।
12. आम पापड़ बनाते समय आम के गूदे को कपड़े से छाना जाता है ताकि उसमें रेशा न रहे उसमें आम के बराबर मात्रा में गुड़ + चीनी भी पड़ती है और धूप में सुखाया जाता है।

अध्याय-14

यात्राएँ

1. पैर की हड्डी टूटने पर छः सप्ताह का पलस्तर चढ़ता है।
2. बच्चों को सफर में डायरी व पेन रखना चाहिए।
3. गांधीधाम स्टेशन गुजरात में है।
4. गुजरात के प्रमुख खाद्य ढोकला, चटनी, वाले चावल, मिठाई हैं।
5. ट्रेन चलते समय बाहर की चीजें उल्टी दिशा में भागती दिखती हैं।
6. सूरज डूबते समय आसमान का रंग संतरी होता है।
7. वलसाड स्टेशन गुजरात में है। यहाँ बटाटा-वड़ा, पूरी-साग मशहूर हैं।
8. कोजीकोड केरल में है।
9. मडगांव स्टेशन गोवा में है।
10. अहमदाबाद एक गर्म शहर है।
11. उदिपी स्टेशन केरल में है। यहाँ नारियल के पेड़ होते हैं व चावल की खेती होती है।
12. केरल में पहनावा सफेद या क्रीम रंग की सूती धोती और साड़ियाँ हैं।
13. गुजरात से केरल तक पहुँचने में बीच में महाराष्ट्र और कर्नाटक राज्य पड़ते हैं।
14. कोट्टायम स्टेशन केरल में है।
15. फ़ैरी (नाव) अपने ठिकाने (टापू) पर खड़ी होती है।
16. अहमदाबाद से कोट्टायम तक रेल से 47 घंटे 55 मिनट लगते हैं।
17. पुणे से कोलकाता तक ट्रेन से जाने में 2 दिन लगते हैं।
18. रेलवे टिकट पर 1) टिकट क्रमांक, 2) यात्रा आरंभ स्थान, 3) प्रस्थान तिथि, 4) सीट एवं डिब्बा क्रमांक, 5) किराया एवं दूरी, किलो मीटर में लिखी होता है।
19. बांद्रा से रतलाम की दूरी रेल द्वारा 643 किमी है।
20. मलयालम में पिता के छोटे भाई को 'चिट्ठप्पन' व पिता के छोटे भाई की पत्नी को 'कुंजम्मा' कहते हैं।
21. अबूधावी रेगिस्तानी इलाका है। वहाँ खजूर के ही पेड़ होते हैं।
22. अबूधावी की मुद्रा 'दिरहम' व भाषा 'अरबी' होती है।

23. लेह सूखा, समतल और ठण्डा रेगिस्तान है।
24. ऊँचाई पर आक्सीजन की कमी होने लगती है। राँस लेने में परेशानी फलतः सिरदर्द, कमजोरी महसूस होती है।
25. गौरव जानी का लेख- 'बसेरा ऊँचाई पर'। इनकी मोटर साइकिल का नाम लोनर, इसका अर्थ होता है 'अकेला रहने वाला'।
26. मुम्बई से दिल्ली की दूरी 1400 कि.मी. है। मोटरसाइकिल द्वारा तीन दिन में पहुँच सकते हैं।
27. राज्य राजधानी
महाराष्ट्र मुम्बई
गुजरात गांधी नगर
राजस्थान जयपुर
जम्मू और कश्मीर कश्मीर
28. मनाली एक पहाड़ी इलाका है। यह हिमाचल में है।
29. चांगथांग - लद्दाख का एक भाग जहाँ बहुत कम लोग रहते हैं। यह स्थान 5000 मीटर की ऊँचाई पर है। यह मैदानी, सुनसान व पथरीला है। यहाँ बहुत से तालाब थे।
30. चांगपा घुमंतू लोग हैं। ये पशमीना बकरियाँ पालते हैं। ये अपने टेंट को रेबो कहते हैं।
31. चांगपा की सबसे बड़ी पूंजी इनकी भेड़-बकरियाँ हैं। चांगपा मुश्किल हालात में ऊँचाई पर रहना चाहते हैं क्योंकि जितनी ठण्डी व ऊँची जगह होगी, पशमीना के बाल उतने नरम व ज्यादा होंगे।
32. चांगपा अपना सामान (घर) घोड़ों व याक पर लादकर घूमते हैं।
33. चांगपा याक के बालों से पट्टियाँ बनाकर सिल कर जोड़ लेते हैं, ये मजबूत व गर्म होती हैं।
34. लेह में तापमान - 40°C तक चला जाता है। भेड़-बकरियों को रखने के स्थान को लेखा कहते हैं।
35. कश्मीरी लोग रोटी घर में नहीं बनाते, वे बेकरी से खरीदते हैं।
36. एक पशमीना शाल में 6 स्वेटर्स के बराबर गर्मी होती है व 250 घंटे में एक शाल बनती है।
37. पशमीना के 6 बाल हमारे 1 बाल के बराबर मोटे हैं।
38. रेबो (टेंट) के बीचों बीच धुआँ निकलने हेतु छेद होता है-
39. लद्दाख में 70 कि.मी./घंटे की गति से हवा सर्दियों में व ताप- 40°C तक रहता है।
40. लेह में पहाड़ की चोटी पर व श्रीनगर में पानी पर मकान होते हैं।

अध्याय-15

हमारे राष्ट्रीय पार्क एवं पक्षी अभ्यारण्य

1. जिम कॉरबेट नेशनल पार्क उत्तराखण्ड में है, हाथी, चीता पाए जाते हैं।
2. घाना - राजस्थान के भरतपुर में पक्षी विहार है; (केवला देव घाना पक्षी अभ्यारण्य)
3. काजीरंगा राष्ट्रीय पार्क आसाम-एक सींग वाला गैंडा, हाथी, चीता।
4. गिर राष्ट्रीय पार्क गुजरात (जूना गढ़) - चीता, शेर, बब्र हेतु।
5. सुन्दरवन (24 परगना)- पश्चिम बंगाल, चीता हेतु।
6. बान्दीपुर राष्ट्रीय पार्क (मैसूर) कर्नाटक - हाथी व चीता।
7. हजीराबाद राष्ट्रीय पार्क बिहार-चीता।
8. देश में सबसे अधिक राष्ट्रीय पार्क मध्य प्रदेश में हैं।
9. देश में सबसे छोटा राष्ट्रीय पार्क साउथ बटन (अण्डमान निकोबार) में है।
10. देश में सबसे बड़ा राष्ट्रीय पार्क हिमिस (लेह जम्मू व कश्मीर) में है।

अध्याय-16

संग्रहालय

1. रेलगाड़ी का चलना सरल रेखीय गति का उदाहरण है।
2. ध्वनि प्रदूषण से अनिद्रा, बहरापन, सिर दर्द, उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियाँ हो जाती हैं।
3. सन् 1200 ई0 में गोलकुण्डा का किला मिट्टी का बना था।
4. गोल कुण्डा किले में 5 महल थे:- शाही, बालाहिसार महल, तारामती, मोती तथा नया किला महल।
5. गोल कुण्डा के किले में मिट्टी के पाइप द्वारा जगह-जगह पानी पहुँचाता जाता था।
6. गोलकुण्डा के संग्रहालय (Museum) में बर्तन, औजार, जेवर व हथियार रखे हैं, जो खुदाई में मिले हैं।

7. गोलकुंडा किले की बाहरी दीवार में 87 बुर्ज हैं। यहाँ 1518 ई0 से 1687 ई0 तक कुतुबशाही सुल्तानों ने राज किया। गोलकुंडा के किले में :-
 1) मकई दरवाजा 2) फतेह दरवाजे
 3) पटनचेरु दरवाजा
 4) बोडली दरवाजा
 5) बमनी दरवाजा 6) मोती दरवाजा
 7) नया किला दरवाजा
 8) जमाली दरवाजा
 9) बंजारा दरवाजा
8. तोप काँसे से बनती है। काँसा एक मिश्रधातु है जो कि ताँबा व टिन से मिलकर बनती है।
9. सोना पीला, ताँबा लाल भूरा, एल्युमिनियम व मैग्नीशियम सफेद रंग के होते हैं।
10. औरंगजेब ने गोलकुंडा पर हमला किया था उसकी सेना 8 माह तक किले को घेरे रही थी।
11. गोलकुंडा किले के आस-पास खुदाई के दौरान मिले बर्तन, औजार, जेवर, हथियार आदि हैदराबाद संग्रहालय में रखे हैं।
12. ऊँची और गोल आकार की दीवार से चारों तरफ दूर-दूर तक देखा जा सकता है।
13. गोल कुण्डा के किले की छत पर पानी के फव्वारे चलते थे।
14. तोप का इस्तेमाल औरंगजेब ने किया।
15. आदिवासी लोग काँसे की चीजें हजारों साल से बनाते आए हैं।
16. पीतल पीले रंग का व काँसा मटमैला कथई रंग का होता है।
17. प्राचीन काल में पानी को रहट द्वारा निकालकर टैंकों में भरा जाता था।
18. हमारी पृथ्वी ग्लोब की तरह है।

अध्याय - 17

भूकम्प

1. भूकम्प सीस्मोग्राफ नामक उपकरण से मापा जाता है।
2. भूकम्प की तीव्रता रिक्टर स्केल पर मापी जाती है।
3. गुजरात में भूकम्प रोधी भवन में गोबर+मिट्टी युक्त ईंटें लागायी जाती हैं।
4. भूकम्प आने पर हमें : 1. खुले में जाना चाहिए 2. फर्श पर गिर जाओ 3. किसी ठोस चीज के नीचे छिप जाना चाहिए व उसे पकड़ कर रखना चाहिए।
5. 26 जनवरी 2001 की सुबह गुजरात के भुज में भीषण भूकम्प आया था। जिसमें 2500 लोग मरे गए थे। मारे गए लोगों की खोज हेतु कुत्तों की मदद ली गयी थी।
6. 26 जनवरी 2001 के भुज भूकम्प के बाद प्लास्टिक के तम्बू लगाए गए थे।
7. भुज में घरों को लोग आईनों के टुकड़ों से सजाते हैं तथा दीवारों पर चित्रकारी करके उन्हें सजाते हैं।
8. भुज (गुजरात) भूकम्प में अहमदाबाद शहर में कम से कम 150 इमारतें ढह गई थी।
9. बाढ़ से किसान को तथा सुनामी से मछुआरे को नुकसान होता है।
10. लोगों के घर पास-पास होने से निम्नलिखित लाभ हैं। : 1. मदद करने में 2. त्योहार मनाने में 3. खेलने में।
11. डाक्टर जाकिर हुसैन ने अपनी कहानी 'उसी से ठण्डा उसी से गर्म' में काल्पनिक पात्र बालिशितये का नाम लिया है।
12. कक्षा में हवा-ठण्डी या गर्म की अवधारणा को समझाने में मुँह से निकली हवा बाहर के तापमान के मुकाबले ठण्डी या गर्म हो सकती है।
13. मुँह से चश्मे के शीशे पर हवा करने से साँस के साथ आई भाप से ठण्डे शीशे पर पानी की बूँदे जैसी बन जाती हैं। यह नमी शीशे को धुँधला करती है।
14. मनुष्य प्रति मिनट 16 से 18 बार साँस लेता है। व्यायाम के दौरान श्वसन दर 20 गुना बढ़ जाती है।
15. डाक्टर स्टेथोस्कोप द्वारा हृदय की धड़कन सुनते हैं।
16. गर्म हवा हल्की होने से ऊपर उठती है जब कि ठण्डी हवा भारी होने से नीचे आती है।
17. गांधी जी के व्यक्तिगत सचिव महादेव भाई देशाई थे तथा उनके पुत्र नारायण देशाई थे।
18. गांधी जी ने महाराष्ट्र के वर्धा में महादेव भाई के साथ मिलकर संडास की सफाई का अभियान चलाया।
19. विक्टोरिया टर्मिनल रेलवे स्टेशन मुंबई में है।
20. मुख की हवा में जलवाष्प होती है जिससे यह गीली हो जाती है।

21. अमित खेलते-खेलते दीवार से टकरा गया, उसका माथा सूज गया, दीदी ने दुपट्टे को तीन-चार बार मोड़कर अमित के माथे को गर्मी देने हेतु उस पर फूंक मारी।
22. नारायण देशाई का बचपन गांधी आश्रम साबरमती-गुजरात में गुजरा।
23. महाराष्ट्र के गोरेगांव में भीमराव अम्बेडकर छुट्टियाँ मनाने आये थे। भारत का संविधान इन्हीं की अगुवाई में तैयार हुआ।
24. 'हम सभी को हर तरह का काम करना सीखना चाहिए'— यह वाक्य गांधी जी का है।
25. 'वैष्णव जन'—गांधी जी का भजन गुजराती भाषा में है।
26. पुराने समय में बीमारियों का इलाज जड़ी-बूटियों से होता था।
27. वानगाम गुजरात में है।
28. गुजरात के वानगाम में ताजी-सब्जियों को मसालों के साथ एक मटके में भरकर सीलबन्द कर, उल्टाकर कोयले के अगारो पर पकाते थे।
29. ज्वार-बाजरे की जगह अब गेहूँ व कपास की खेती ने ले लिया है।
30. महंगी खाद का प्रयोग करने से फसल पर जल्दी कीड़े लग जाते हैं।
31. आन्ध्र प्रदेश में 1997 से सन् 2005 तक 150000 किसान आत्म हत्या कर चुके थे।
32. आग लगने पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी, एम्बुलेंस गाड़ी, पुलिस की गाड़ियाँ सहायक होती हैं।
33. भूकम्प आना व आग लग जाना आपातकालीन स्थितियाँ हैं। इनसे निपटने हेतु आपदा प्रबन्धन जरूरी है।
34. बहुत साल पहले बर्तन, पत्थर और मिट्टी के होते थे।
35. मोबाइल फोन, ई-मेल, चिट्ठी संचार के साधन हैं।
5. गोबर से जमीन की पुताई से मिट्टी में कीड़ा नहीं लगता।
6. सोहना गांव हरियाणा में है। सोहना से दिल्ली के बीच गुडगांव शहर स्थित है।
7. लेह में मकान के नीचे की मंजिल में खिड़की नहीं होती है। छत को मजबूत करने हेतु पेड़ों के मोटे तने इस्तेमाल किए जाते हैं। छते समतल होती हैं।
8. लेह में मकान में छत घर का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। यहाँ गर्मियों में फल-सब्जी सुखा ली जाती है क्योंकि ठण्डक में ये नहीं मिलती हैं।
9. लेह में लोग सर्दियों में नीचे की मंजिल पर रहते हैं क्योंकि मोटी-मोटी दीवारें, लकड़ी के फर्श और लकड़ी छत ठण्ड से बचाती हैं।
10. कश्मीर में शिकारा घूमने हेतु तथा हाउस बोट टूरिस्ट हेतु प्रयोग होती है। हाउसबोट में खास डिजाइन बना होता है जिसे खतमबंद कहते हैं। कश्मीर में मकान की खिड़कियाँ बाहर की ओर उभरी होती हैं, इन्हें डब कहते हैं।
11. आसाम में मकान बांस के खंभों पर बनते हैं, जो कि जमीन से 10-12 फुट ऊंचे होते हैं।
12. मनाली में मकान पत्थर या लकड़ी से बने होते हैं। यह पहाड़ी इलाका है।
13. राजस्थान में मिट्टी के घर बने होते हैं। यहाँ दीवारों को मिट्टी से तथा फर्श को गोबर से कीटाणु रहित करने हेतु लीपा जाता है। इनकी छतें कटीली झाड़ियों से बनती है।
14. कश्मीर में शिकारा होता है तथा बर्फ में इग्लू मकान होते हैं।

अध्याय—18

घर

1. हाऊस बोट 80 फुट लम्बाई व 8-9 फुट चौड़ाई के होते हैं।
2. डल लेक व झेलम नदी दोनों श्री नगर में हैं।
3. बकरवाल लोग लकड़ी व मिट्टी के घरों में रहते हैं, ये बकरियाँ चराते हैं।
4. डेरा गाजीखान पकिस्तान में है।

अध्याय—19

विविध

1. उड़ीसा में एल्युमिनियम की खानें हैं (नाल्को)।
2. माइक्रोस्कॉप से कोई चीज हजार गुना बड़ा दिखती है।
3. दिसम्बर 2004 में सुनामी आई थी।
4. गायक गाते समय कान पर हाथ क्यों रखते हैं?

Chapter-20

Dates and Days

1)	महिला दिवस (Womens' Day)	—	8 th March
2)	गौरवा दिवस (Sparrow Day)	—	20 th March
3)	विश्व वन दिवस (World Diabetes Day)	—	21 st March
4)	जल दिवस <i>forest</i> (Water Day)	—	22 nd March
5)	विश्व स्वास्थ्य दिवस (World Health Day)	—	7 th April
6)	विश्व अर्थ दिवस (World Earth Day)	—	22 th April
7)	विश्व मजदूर दिवस (World Labour Day)	—	1 st May
8)	मातृ दिवस (Mother Day)	—	12 th May
9)	विश्व पर्यावरण दिवस (World Environment Day)	—	5 th June
10)	पितृ दिवस (Fathers' Day)	—	16 th June
11)	विश्व जनसंख्या दिवस (World Population Day)	—	11 th July
12)	अध्यापक दिवस (Teachers Day)	—	5 th September
13)	विश्व साक्षरता दिवस (World Literacy Day)	—	8 th September
14)	हिन्दी दिवस (Hindi Day)	—	14 th September
15)	विश्व मधुमेह दिवस (World Diabetes Day)	—	27 th November
16)	वृद्ध दिवस (Old Age Day)	—	1 st October
17)	हरियाणा दिवस (Haryana Day)	—	1 st November (1966 से)
18)	शिक्षा दिवस (Education Day)	—	11 th November
19)	बाल दिवस (Childrens Day)	—	14 th November
20)	एड्स दिवस (AIDS Day)	—	1 st December
21)	विश्व विकलांग दिवस (World Handicapped Day)	—	3 rd December
22)	राष्ट्रीय गणित दिवस (National Mathematics Day)	—	22 th December (रामानुज का जन्मदिवस)
23)	किसान दिवस (Farmer Day)	—	23 rd December